Hindustan (Date: - 03/01/2020)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से पहली बार इंजीनियरिंग व पॉलिटेक्निक कॉलेजों में स्टूडेंट प्रोजेक्ट प्रोग्राम स्कीम शुरू की

तकनीक से सामाजिक समस्याएं दूर करें, इनाम पाएं

हिन्दुस्तान
खास

पटना | राहुल कुमार सिंह

ग्रामीण या शहरी क्षेत्रों में तकनीक के माध्यम से सामाजिक समस्याओं को दूर करने पर छात्रों को दस हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। जलजमाव, जलापूर्ति, बिजली, कृषि, उद्योग, विकलांगता या अन्य किसी तरह की समस्या हो, उनका समाधान छात्र को प्रोजेक्ट के माध्यम से बताना होगा, ताकि लोगों को उससे निजात दिलायी जा सके। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से पहली बार इंजीनियरिंग व पॉलिटेक्निक कॉलेजों में स्टूडेंट प्रोजेक्ट प्रोग्राम स्कीम शुरू की है। यह डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग व बीटेक इन इंजीनियरिंग के फाइनल ईयर के छात्र-छात्राओं के लिए है। इसमें छात्रों को आमलोगों से जुड़ीं समस्याओं के समाधान को प्रोजेक्ट के माध्यम से बताना होगा। यह तीन साल की योजना है। प्रथम साल में 500 छात्रों को इससे जोड़कर प्रोत्साहन का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए दो करोड़ का आवंटन हो चुका है। इसमें केंद्र ने 1 करोड़ 40 लाख और बिहार ने 60 लाख दिए हैं। विभाग के प्रधान सचिव चैतन्य प्रसाद और निदेशक संजीव कुमार के नेतृत्व में इस योजना को लागू किया गया है।

मौका

- चुने गए प्रोजेक्ट को दस हजार प्रोत्साहन राशि के रूप में मिलेंगे
- केंद्र ने 1 करोड़ 40 लाख और बिहार ने 60 लाख दिए हैं

500
छात्रों को जोड़कर प्रोत्साहन का लाभ दिया जाएगा

दूसरे प्रदेशों में चल रही योजना

पहले से देश के विभिन्न प्रदेशों कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में यह योजना चल रही है। बिहार में पहली बार इसे शुरू किया जा रहा है। योजना अभी ट्रायल के तौर पर तीन साल चलेगी। यदि यह कारगर साबित हुई तो इसे और विस्तृत रूप दिया जाएगा। हालांकि पहले से चलने वाले प्रदेशों में यह योजना कारगर साबित हुई है।

बिहार में सामाजिक समस्याओं का समाधान तकनीक के माध्यम से करने का प्रयास शुरू हुआ है। राज्य के इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में इसकी शुरुआत हुई है। यह योजना सामाजिक उत्थान में कारगर साबित होगी। छात्रों के लिए रोजगार का जरिया भी बनेगी।
- चंद्रशेखर सिंह, संयुक्त निदेशक तकनीकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

15 तक प्रोजेक्ट जमा करने की अंतिम तिथि

15 जनवरी तक कॉलेजों में प्रोजेक्ट को जमा करने की अंतिम तिथि है। चयन आईआईटी और एनआईटी के प्रोफेसर करेंगे। जिन प्रोजेक्ट का चयन होगा उनको सहायता राशि दी जाएगी। इसमें से सौ ऐसे प्रोजेक्ट का चयन होगा, जिनके बारे में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शोध पत्रिका में छपेगा। ऐसे प्रोजेक्ट पर एक सेमिनार होगा। इसमें बड़े औद्योगिक घरानों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्हें प्रोजेक्ट दिखाए जाएंगे। पसंद आने पर कंपनी उस तकनीक को लेगी। छात्रों के लिए यह रोजगार का सुनहरा माध्यम बनेगा।

Prabhat Khabar (Date: - 03/01/2020)

हर साल पटना और राजगीर में मनेगा प्रकाश गुरुपर्व : सीएम

संवाददाता ▷ पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के 353वें प्रकाश गुरुपर्व के मौके पर गुरुवार को तखश्री हरिमंदिर साहिब के परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में शामिल हुए. गुरुद्वारा में मत्था टेकने के बाद उन्होंने कार्यक्रम में संबोधन की शुरुआत 'वाहे गुरुजी की खालसा, वाहे गुरुजी की फतेह' से की. उन्होंने सभी श्रद्धालुओं, जत्थेदारों और सेवादारों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष राजगीर और पटना में गुरु पर्व मनाया जायेगा. पटना सिटी गुरुद्वारा में गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज से संबंधित प्रकाश पुंज का निर्माण इस साल तक पूरा हो जायेगा. उन्होंने कहा कि पटना के बाद गुरुनानक देवजी गया, नवादा होते हुए होली के समय राजगीर पहुंचे थे. स्थानीय लोगों के अनुरोध पर उनके चरण स्पर्श से गर्म कुंड का पानी शीतल हो गया और तब से यह शीतल कुंड में तब्दील हो गया है. राजगीर में शीतल कुंड के पास ही भव्य गुरुद्वारा का निर्माण हो रहा है. उन्होंने सिख समुदाय से निवेदन किया कि आप सब श्रद्धालु प्रकाश गुरुपर्व के अवसर पर तो आयेंगे ही. ऐसे भी हमेशा बिहार आते ● **बाकी पेज 15 पर देखें पेज 06 व लाइफ@पटना भी**

गुरु गोबिंद सिंह जी से जुड़ा प्रकाश पुंज इस साल के अंत तक हो जायेगा पूरा

सीएम को तलवार-ढाल भेंट करते श्रीहरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी.

बिहार गरीब राज्य, लेकिन मन से गरीब नहीं, आप आएं प्रत्येक साल, हम करेंगे खिदमत

केंद्र से रेल सेवा बढ़ाने की करेंगे मांग

सीएम ने कहा कि खत्री समाज के लोगों की कुछ मांगें है, जिन पर काम किया जा रहा है. उसके लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है. श्रद्धालुओं की मांग पर प्रकाश गुरुपर्व के दौरान रेल सेवा की लगातार सुविधा के लिए केंद्र सरकार से निवेदन करूंगा. राज्य में सड़क सेवा भी बेहतर है. इससे श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं होगी.

Prabhat Khabar (Date: - 03/01/2020)

तैयारी. पूरे सर्विस में तीन बार दी जायेगी ट्रेनिंग

सिपाही से लेकर डीएसपी तक होंगे ओवरऑल स्मार्ट

संवाददाता ▸ पटना

राज्य पुलिस सेवा में सिपाही से लेकर डीएसपी तक के कर्मियों को हर तरह से सशक्त, स्किलफुल और ओवरऑल स्मार्ट बनाने के लिए ट्रेनिंग पर विशेष रूप से फोकस किया जायेगा. सिपाही से लेकर डीएसपी तक को पूरे सर्विस काल में कम -से -कम तीन बार ट्रेनिंग दी जायेगी. ट्रेनिंग मॉड्यूल में बेहतर पुलिसिंग से जुड़े कई विषय भी समाहित होंगे. जनवरी महीने में निदेशालय के स्तर से एक ट्रेनिंग कैलेंडर जारी होने जा रहा है. इसमें उन तमाम बातों का उल्लेख होगा कि वर्ष 2020 के दौरान किस स्तर के कर्मी को कितने की दिन की ट्रेनिंग किस विषय पर होगी. सर्विस काल के दौरान यह एक तरह का रिफ्रेशर कोर्स होगा, जिस तरह से आइपीएस अधिकारियों को सर्विस पीरियड के दौरान प्रशिक्षण दिया जाता है. प्रशिक्षण निदेशालय की पूरी वेबसाइट को नये स्तर से तैयार किया गया है. इसमें सभी तरह के सिलेबस, फोटो, वीडियो, ट्रेनिंग कैलेंडर व ट्रेनिंग मैटेरियल समेत अन्य जरूरी दस्तावेज मौजूद हैं. विभागीय स्तर पर होने वाली सभी तरह की परीक्षाओं का रिजल्ट भी ऑनलाइन ही जारी किया जायेगा. ट्रेनिंग निदेशालय ने पुलिस मुख्यालय के पांचवें तल पर विशेष ट्रेनिंग हॉल भी तैयार किया है. इनमें शिफ्टवार कर्मियों के ट्रेनिंग की व्यवस्था की गयी है. इसके अलावा राज्य में अलग-अलग जिलों में मौजूद ट्रेनिंग सेंटरों में विभिन्न तरह के प्रोग्राम चलाये जा रहे हैं.

इस माह से नयी व्यवस्था होगी लागू

ट्रेनिंग निदेशालय को पूरी तरह से ऑनलाइन कर दिया गया है. सभी स्तर के कर्मियों को उनके पूरे सर्विस पीरियड में उनकी जरूरत के हिसाब से और नये विषयों पर तीन ट्रेनिंग देने की व्यवस्था की गयी है. जनवरी से इस नयी व्यवस्था को पूरी तरह से लागू कर दिया जायेगा.

आलोक राज (डीजी, प्रशिक्षण)

- बिहार पुलिस के सभी स्तरों के कर्मियों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण निदेशालय ने तैयार की पूरी रूपरेखा
- इस माह जारी होगा प्रशिक्षण कैलेंडर, प्रशिक्षण निदेशालय की वेबसाइट भी की गयी ऑनलाइन
- ट्रेनिंग में स्किल डेवलपमेंट के साथ ही इन्हें मानसिक रूप से सशक्त बनाने और अन्य बातों की दी जायेगी जानकारी

Prabhat Khabar (Date: - 03/01/2020)

बिहार के चार किसानों को मिला कृषि कर्मण पुरस्कार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पुरस्कार लेते बिहार कृषि मंत्री डॉ प्रेम कुमार.

- **बेंगलुरु के तुकाकुरू में आयोजित किया गया था कार्यक्रम**
- **गेहूं व मक्के में बेहतर उत्पादन के लिए सम्मान**

संवाददाता ▷ पटना

बेंगलुरु के तुकाकुरु में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गेहूं व मक्का का सर्वाधिक उत्पादन करने वाले चार बिहारी किसानों को कृषि कर्मण पुरस्कार से सम्मानित किया. साथ ही वर्ष 2016-17 में मक्का और 2017-18 में गेहूं के सर्वाधिक उत्पादन करने के लिए भी राज्य सरकार को कृषि कर्मण पुरस्कार से सम्मानित किया गया. सम्मानित होने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र, ट्रॉफी के अलावा दो-दो लाख रुपये की राशि प्रदान की गयी, जबकि राज्य सरकार के कृषि विभाग को दोनों उत्पादन के लिए दो-दो करोड़ रुपये,प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी मिली. बिहार की तरफ से कर्मण पुरस्कार कृषि मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने प्रधानमंत्री से प्राप्त किया. इस मौके पर कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद थे.

इन किसानों को मिला पुरस्कार

2016-17 में मोटे अनाज मसलन मक्का के बेहतर उत्पादन के लिए किशनगंज के दिघलबैंक प्रखंड के मदन कुमार सिंह और जमुई जिले के जमुई प्रखंड की महिला किसान मृदुला देवी को, जबकि वर्ष 2017-18 में गेहूं उत्पादन के लिए मुंगेर जिले के धरहरा प्रखंड के तरुण कुमार विकास और खगड़िया जिले के अलौली प्रखंड की महिला किसान बबिता देवी को पीएम ने सम्मानित किया. कार्यक्रम में कृषि मंत्री ने बताया कि राज्य में2016-17 में मक्का का कुल उत्पादन 38.46 लाख मीटरिक और उत्पादकता 53.35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और वित्तीय वर्ष 2017-18 में गेहूं का कुल उत्पादन 61.04 लाख मीट्रिक टन और उत्पादकता 29.05 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रही, जो रिकॉर्ड है. गौरतलब है कि राज्य को पहले भी चावल, गेहूं और मक्का के लिए तीन कृषि कर्मण पुरस्कार दिया जा चुका है. यह चौथा और पांचवां कृषि कर्मण पुरस्कार है.